CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

□ वर्ष- 29 □ अंक- 209 □ रायपुर, शनिवार 22 अगस्त 2026 □ पृष्ठ-8 □ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय पेपर लीक मामला

वॉटसअप चैट ने खोला राज, प्रोफेसर समेत 6 गिरफ्तार, दुर्ग से लीक हुआ था पेपर

रायपुर, 22 अगस्त (हाईवे चैनल)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की कीट विज्ञान परीक्षा से ठीक पहले प्रश्नपत्र के वॉटसअप पर वायरल होने से मचे हड़कंप के बाद पुलिस ने मामले की कड़ियां जोड़ ली हैं। जांच में पेपर लीक का सिरा दुर्ग के एक निजी कॉलेज तक पहुंचा है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक प्रोफेसर समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं कुछ छात्रों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। मामले में पुलिस ने केवल पूछताछ और पारंपरिक जांच तक सीमित रहने के बजाय मोबाइल फोन और वॉटसअप चैट को अहम सबूत बनाया।

अलग-अलग जिलों में की गई दबिश और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों की पहचान की गई। 20 अगस्त को आईजीकेवी की कीट विज्ञान परीक्षा होनी थी। परीक्षा शुरू होने में करीब दो घंटे बाकी थे, तभी प्रश्नपत्र वॉटसअप के जरिए छात्रों के बीच पहुंच गया। देखते ही देखते पेपर के वायरल होने की जानकारी विश्वविद्यालय तक पहुंची। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रबंधन ने परीक्षा को स्थगित कर दिया और पूरे मामले की शिकायत तेलीबांधा थाने में की गई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने रायपुर के साथ दुर्ग, कवर्धा, राजनांदगांव और बिलासपुर में जांच और दबिश की कार्रवाई की। मोबाइल फोन की जांच और वॉटसअप पर हुई बातचीत ने पुलिस को उन लोगों तक पहुंचने में मदद की, जिनके जरिए प्रश्नपत्र आगे भेजे जाने की आशंका है। इसी जांच के बाद प्रोफेसर समेत 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पांच जिलों तक पहुंची जांच की आंच

परीक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल: परीक्षा शुरू होने से महज दो घंटे पहले प्रश्नपत्र का वॉटसअप पर वायरल हो जाना विश्वविद्यालय की परीक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। फिलहाल पुलिस की कार्रवाई से यह साफ हो गया है कि मामला केवल पेपर वायरल होने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक नेटवर्क होने की आशंका है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और डिजिटल साक्ष्यों की जांच के बाद आने वाले दिनों में इस मामले में और खुलासे होने की संभावना है।

ऐसे खुली पेपर लीक की कड़ी

पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक प्रश्नपत्र दुर्ग के एक निजी कॉलेज से बाहर निकलने की आशंका है। इसके बाद डिजिटल माध्यम से इसे आगे भेजा गया और वॉटसअप ग्रुप या व्यक्तिगत चैट के जरिए छात्रों तक पहुंचाया गया। हालांकि प्रश्नपत्र कॉलेज से किसने बाहर निकाला और उसे पहली बार किस व्यक्ति ने डिजिटल माध्यम से शेयर किया, इसका पूरा जवाब जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगा। इस मामले में छात्रों की भूमिका भी पुलिस के रडार पर है। जांच के दौरान अब तक 16 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। कवर्धा के दो छात्रों से भी पुलिस पूछताछ कर चुकी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि किन छात्रों को प्रश्नपत्र पहले मिला, उन्होंने इसे आगे शेयर किया या नहीं और पेपर के बदले किसी तरह का लेन-देन हुआ था या नहीं।

मोबाइल बना पुलिस के लिए सबसे बड़ा सुराग

पूरे मामले में वॉटसअप चैट और मोबाइल फोन की जांच अहम साबित हुई है। पुलिस डिजिटल साक्ष्यों के जरिए पेपर के लीक होने से लेकर छात्रों तक पहुंचने तक की पूरी टाइमलाइन तैयार कर रही है। अब जांच का अगला फोकस पेपर लीक के पूरे नेटवर्क की पहचान करना है। पुलिस यह भी जांच रही है कि गिरफ्तार आरोपियों के अलावा कोई अन्य व्यक्ति इस नेटवर्क में शामिल था या नहीं।

पिकअप और ट्रक में भिड़ंत

बलरामपुर में भीषण सड़क हादसा, तीन की मौत

बलरामपुर, 22 अगस्त (हाईवे चैनल)। बलरामपुर जिले से दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आ रही है, बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार पिकअप और ट्रक में जोरदार टक्कर हो गई, हादसा इतना भयानक था कि 3 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 7 अन्य घायल हो गए। एक्सीडेंट के बाद चीख पुकार मच गई।

बताया जा रहा है कि पिकअप में कुल 10 मजदूर सवार थे, जो टमाटर की खेती के काम से शंकरगढ़ जा रहे थे। इसी दौरान रात करीब 2 बजे सेवारी के पास सामने से आ रहे ट्रक से पिकअप की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी 7 घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए अंबिकापुर रेफर कर दिया गया है। मृतक और घायल सभी मजदूर सूरजपुर जिले के नरोला गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में मातम पसर गया है। देर रात हुए इस भीषण हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। पिकअप की हालत देखकर टक्कर की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। हादसे में जान गंवाने वाले मजदूरों के परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। फिलहाल राजपुर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसा कैसे हुआ और टक्कर के पीछे किसकी लापरवाही थी, पुलिस इसकी पड़ताल कर रही है।

ब्रेकिंग न्यूज

चोरों ने ज्वेलर्स दुकान में बोला धावा, लाखों के गहने पार

रायपुर, 22 अगस्त (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है, जहां चोरों ने ज्वेलर्स दुकान में धावा बोलकर लाखों के गहने पार कर लिए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है। यह पूरा मामला खम्हारडीह थाना क्षेत्र का है। चोरों ने बिती रात कचना के बाजार चौक स्थित शिव ज्वेलर्स दुकान को निशाना बनाया और कटर मशीन से ताला काटकर चोरी की वारदात को अंजाम दे डाला। बताया जा रहा है कि चोरों ने ज्वेलर्स दुकान से करीब 10 से 15 किलो चांदी और सोना की ज्वेलरी पार किया है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है।

डीएमके में 'नई पीढ़ी' की एंट्री का रास्ता साफः दो कार्यकाल के बाद छोड़नी होगी कुर्सी

नई दिल्ली, 22 अगस्त (न्यूज चैनल)। डीएमके की कार्यकारिणी समिति की बैठक में पार्टी संगठन में नई पीढ़ी को आगे लाने के लिए विभिन्न पदों पर उम्र और कार्यकाल की सीमा तय करने का फैसला किया गया। शाखा समिति सचिव के लिए 45 वर्ष, वार्ड समिति सचिव के लिए 50 वर्ष और टाउन पंचायत, एरिया व सिटी कमेटी सचिवों के लिए 60 वर्ष की अधिकतम उम्र निर्धारित की गई है। अधिकांश पदों पर अधिकतम दो कार्यकाल की सीमा भी तय की गई है। पार्टी संगठन में नई पीढ़ी को मौका देने के लिए शाखा समिति के सचिव पद के लिए अधिकतम उम्र 45 वर्ष तय की गई है। इस पद पर चुना गया व्यक्ति अधिकतम दो कार्यकाल तक ही जिम्मेदारी संभाल सकेगा।

पुलिस आरक्षक भर्ती को लेकर बवाल, रात भर सड़क पर डटे रहे भूखे-प्यासे अभ्यर्थी, बोले- लिस्ट नहीं आई तो नक्सली बनने को मजबूर होंगे

कवर्धा, 22 अगस्त (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ पुलिस आरक्षक भर्ती 2023-24 की दूसरी सूची जारी नहीं होने से नाराज प्रदेशभर के सैकड़ों अभ्यर्थियों ने कवर्धा जिला मुख्यालय में सड़क पर डेरा डाल दिया है। शुक्रवार सुबह 10 बजे से शुरू हुआ प्रदर्शन देर रात तक जारी रहा। भूखे-प्यासे अभ्यर्थियों ने सड़क को ही बिस्तर बना लिया। इतिहास इस दौरान यहां बस्तर से आए अभ्यर्थियों के एक बयान ने प्रशासन में हड़कंप मचा दिया है। उन्होंने कहा- अगर दूसरी लिस्ट नहीं आई तो हथियार उठाना हमारी मजबूरी होगी, हम नक्सली बनने को मजबूर हो जाएंगे। नारायणपुर से आए एक अभ्यर्थी ने बताया कि 2023-24 में जो भर्ती निकली थी, उसमें पूर्ण भर्ती नहीं हुई। 1600 से 2000 पोस्ट अब भी बाकी हैं। बस्तर के युवाओं ने अच्छा परफॉर्मेंस दिया फिर भी नाम नहीं आया। सेकंड लिस्ट के भरोसे थे, अब युवा आक्रोशित हैं। नक्सली बनने जैसी मानसिकता बन रही है। कवर्धा में अभ्यर्थी बैनर-पोस्टर और तख्तियां लेकर कलेक्ट्रेट की ओर कूच कर रहे थे, मगर पुलिस ने रास्ते में ही रोक दिया। इसके बाद सभी कलेक्ट्रेट मार्ग पर ही धरने पर बैठ गए।

दिनभर प्रशासन की ओर से ठोस आश्वासन नहीं मिलने के बाद अभ्यर्थियों का आक्रोश बढ़ता गया। देर रात तक बड़ी संख्या में अभ्यर्थी सड़क पर ही डटे रहे। आंदोलन के दौरान कई अभ्यर्थी भूखे-प्यासे नजर आए, वहीं थकान और रात होने के बावजूद उनके पास घर लौटने का विकल्प नहीं था. मजबूरी में कुछ अभ्यर्थियों ने सड़क पर ही चादर बिछाकर रात गुजारनी शुरू कर दी। कई अभ्यर्थी अपने बच्चों को लेकर ही आंदोलन में पहुंचे हैं। एक आंदोलनकारी ने बताया कि हम पुलिस आरक्षक भर्ती के अभ्यर्थी हैं।

दर्दनाक हादसाः 3 साल के मासूम को स्कूल बस ने रौंदा, मौके पर हुई मौत, मचा हड़कंप

बेमेतरा, 22 अगस्त (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले से दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है, जहां एक स्कूल बस ने 3 साल के मासूम बच्चे को रौंद दिया। इस घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक और कंडक्टर बस छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने भी मामले की जांच शुरु कर दी है। इतिहास यह हादसा खंडसरा चौकी क्षेत्र में हुआ है। बताया जा रहा है कि डीएवी स्कूल जांता की बस ने आज बंसापुर-सेमरिया गांव के पास मासूम को अपनी चपेट में लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक और कंडक्टर बस छोड़कर फरार हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। इधर, मासूम की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची खंडसरा चौकी पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर हादसे के कारणों की पड़ताल शुरू कर दी है। साथ ही फरार बस चालक और कंडक्टर की तलाश की जा रही है।

आदिवासी छात्र की मौत पर बड़ा एक्शन, जांगला बालक आश्रम के अधीक्षक हटाए गए, विधायक मंडावी ने उठाया था मामला

बीजापुर, 22 अगस्त (हाईवे चैनल)। जांगला बालक आश्रम में कक्षा 5वीं के आदिवासी छात्र लश्कर वट्टी की मलेरिया से मौत के मामले में प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। अपर कलेक्टर भूपेंद्र अग्रवाल की जांच रिपोर्ट के बाद आश्रम के प्रभारी अधीक्षक संदीप टोप्पो को पद से हटा दिया गया है। कलेक्टर कार्यालय की आदिवासी विकास शाखा से इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार संदीप टोप्पो को बालक आश्रम जांगला, विकासखंड भैरमगढ़ के प्रभारी अधीक्षक के दायित्व से तत्काल पृथक कर दिया गया है और उन्हें उनकी मूल संस्था में वापस भेज दिया गया है। उनके स्थान पर शासकीय माध्यमिक बालक आश्रम जांगला के सहायक शिक्षक एन्केया वेड्जे को आगामी आदेश तक प्रभारी अधीक्षक का अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया है। लश्कर वट्टी जांगला आश्रम में रहकर पढ़ाई कर रहा था। बताया जा रहा है कि मलेरिया की चपेट में आने के बाद उसकी तबीयत लगातार बिगड़ती गई, लेकिन समय पर सही इलाज और अस्पताल रेफर करने में लापरवाही हुई, जिसके चलते उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

इलाके के विधायक विक्रम मंडावी ने इस घटना पर दुःख जताते हुए आश्रम की व्यवस्था और मलेरिया मुक्त बस्तर के दावे पर सवाल उठाया था और कार्रवाई की मांग की थी। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने आश्रम प्रबंधन पर बच्चों के स्वास्थ्य की निगरानी में भारी लापरवाही का आरोप लगाया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने अपर कलेक्टर भूपेंद्र अग्रवाल के नेतृत्व में जांच टीम गठित की थी। बता दें कि बीजापुर अतिसंवेदनशील मलेरिया प्रभावित जिला है। जिले के दूरस्थ अंदरूनी इलाकों के सैकड़ों आदिवासी बच्चे आश्रम-छात्रावासों में रहकर पढ़ते हैं। ऐसे में रोजाना हेल्थ चेकअप, बुखार पर तत्काल मलेरिया किट से जांच, दवा और गंभीर हालत में तुरंत जिला अस्पताल भेजने की पुख्ता व्यवस्था होनी चाहिए।

श्रमिक सुरक्षा कमजोर होने का खतराः सुप्रीम कोर्ट ने बदली उद्योग की परिभाषा, कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 22 अगस्त (न्यूज चैनल)। कांग्रेस ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले पर चिंता जताई, जिसमें कहा गया है कि उद्योग शब्द की 1978 में दी गई श्रमिक हितैषी व्याख्या औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 के तहत नए मामलों पर लागू नहीं होगी। पार्टी ने कहा कि कानून को उद्योग की व्यापक परिभाषा से सीमित करने या उससे अलग करने की कोई भी कोशिश श्रमिकों के संरक्षण को कमजोर कर सकती है। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने दावा किया कि मोदी सरकार की औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 ने हमारे श्रमिकों के लिए जरूरी सुरक्षा उपायों को काफी कमजोर कर दिया है।

जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इसी पृष्ठभूमि में सुप्रीम कोर्ट की बहुमत वाली पीठ ने 20 अगस्त 2026 को उत्तर प्रदेश राज्य बनाम जय बीर सिंह मामले में अपने 1978 के चर्चित फैसले में तय ट्रिपल टेस्ट को नए सिरे से तय करने की परिकल्पना की है। यह ट्रिपल टेस्ट फरवरी 1978 के बंगलूरू वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड बनाम ए राजप्पा मामले में तय किया गया था। उन्होंने कहा कि उद्योग की व्याख्या का महत्व इस कानूनी स्थिति से जुड़ा है कि कौन कामगार माना जाएगा और इसके आधार पर किसे श्रम कानूनों का संरक्षण मिलेगा। रमेश ने कहा, 1978 के बंगलूरू वाटर सप्लाई मामले में सुप्रीम कोर्ट ने तीन तत्व बताए थे, जो आम तौर पर किसी उद्योग की पहचान करते हैं। इनमें व्यवस्थित गतिविधि, नियोक्ता और कर्मचारी के बीच सहयोग तथा लोगों की जरूरतों और इच्छाओं को पूरा करने के लिए वस्तुओं या सेवाओं का उत्पादन या वितरण शामिल है।

पटना में असिस्टेंट प्रोफेसर अभ्यर्थियों के लोकभवन मार्च के दौरान पुलिस से झड़प

नई दिल्ली, 22 अगस्त (न्यूज चैनल)। ऑल पीएचडी होल्डर एंड रिसर्च स्कॉलर एसोसिएशन ऑफ बिहार' के बैनर तले अभ्यर्थी पिछले 19 दिनों से चल रहे अनिश्चितकालीन आमरण अनशन पर हैं। शनिवार को इन्होंने लोकभवन मार्च का एलान कर रखा था। इस दौरान पुलिस ने जगह-जगह अभ्यर्थियों को रोकने के लिए बैरिकेडिंग लगाई थी। पुलिस के इस प्रयास के बीच बेली रोड पर जबरदस्त झड़प हो गई। अभ्यर्थियों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी। सैकड़ों अभ्यर्थी गर्दनीबाग से लोकभवन की ओर से बढ़ रहे हैं। असिस्टेंट प्रोफेसर अभ्यर्थी सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं डॉ. कुंदन कुमार ने कहा कि पिछले 19 दिनों से ऑल पीएचडी होल्डर एंड रिसर्च स्कॉलर एसोसिएशन ऑफ बिहार' के बैनर तले आमरण अनशन पर बैठे हैं। तीन में दो शोधर्थियों की हालत बिगड़ गई है। उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है लेकिन सरकार को हमारी चिंता नहीं है।

'ऑल पीएचडी होल्डर एंड रिसर्च स्कॉलर एसोसिएशन ऑफ बिहार' के डॉ. कुंदन कुमार ने कहा कि हमलोग बिहार सरकार की नई सहायक प्राध्यापक नियुक्ति नियमावली 2026 का विरोध कर रहे हैं। नई नियमावली बिहार के छात्रों और शोधार्थियों के हित में नहीं है तथा इससे उच्च शिक्षा व्यवस्था प्रभावित होगी।

स्वाइन फ्लू का बढ़ता प्रकोपः दिल्ली में 1770 से ज्यादा मामले

नई दिल्ली, 22 अगस्त (न्यूज चैनल)। दिल्ली में इस साल अब तक स्वाइन फ्लू (एच1एन1) के 1770 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। वहीं, मानसून के दौरान मौसमी इन्फ्लूएंजा के मामलों में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है। शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बैठक कर स्वाइन फ्लू की स्थिति की समीक्षा की। सिंह ने बताया कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और सभी सरकारी अस्पतालों को इलाज की पर्याप्त व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि संक्रमण के पैटर्न, प्रभावित इलाकों और संभावित हॉटस्पॉट पर भी निगरानी बढ़ाई गई है। स्वाइन फ्लू के मरीजों के लिए अस्पतालों में अलग वार्ड तैयार किए जा रहे हैं। दिल्ली में एक ही दिन में एच1एन1 के 114 नए मरीज मिले। इससे इस वर्ष अब तक एन1एच1 की पुष्टि हुई मरीजों की संख्या बढ़कर 1,777 हो गई। छह अगस्त तक दिल्ली में एच1एन1 के 1,344 मामले थे। यानी मात्र 14 दिन में 433 नए मामले सामने आए। 20 अगस्त को मिले 114 नए मरीज दिल्ली के किन अस्पतालों में रिपोर्ट हुए हैं, इसका ब्योरा स्वास्थ्य विभाग ने अब तक सार्वजनिक नहीं किया है।

लक्षणों पर तुरंत दें ध्यान न करें नजरअंदाज

पिछले वर्ष इसी अवधि में 229 मामले थे। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष करीब आठ गुना मामले हो गए हैं। वहीं, एम्स के विशेषज्ञों के अनुसार मानसून के दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव और उमस के कारण इन्फ्लुएंजा के मामले बढ़ सकते हैं। बुजुर्गों और पहले से फेफड़े, हृदय, मधुमेह सहित अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों में संक्रमण गंभीर होने का खतरा अधिक रहता है। सर गंगा राम अस्पताल के इंटरनल मेडिसिन विभाग के कंसल्टेंट फिजिशियन डॉ. ऋषिकेश देसाई के अनुसार, अस्पताल में मौसमी इन्फ्लूएंजा के मरीज बढ़े हैं। उन्होंने बताया कि स्वस्थ लोगों में संक्रमण आमतौर पर ठीक हो जाता है, लेकिन बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों और पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे लोगों में फ्लू गंभीर रूप ले सकता है। वहीं, संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. नेहा रस्तोगी पांडा ने भी इन्फ्लूएंजा और फ्लू जैसे लक्षणों वाले मरीजों में बढ़ोतरी की बात कही। डॉक्टरों के अनुसार, इस मौसम में कई मरीजों में लंबे समय तक रहने वाली खांसी और तेज बुखार देखने को मिल रहा है। वायु प्रदूषण के कारण फेफड़ों में होने वाली सूजन भी कुछ मरीजों में खांसी और सांस से जुड़ी परेशानी बढ़ा सकती है। उन्होंने बताया कि एच1एन1 संक्रमण में आमतौर पर बुखार, खांसी, गले में खराश, सिरदर्द, बदन दर्द और थकान जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।